नास्तिक

चलो अविश्वास और उसके निपटने की परिभाषा पर विचार करें।

इस्लाम धर्म ईश्वर में विश्वास और इस्लाम में विश्वास के बीच एक तीव्र रेखा नहीं खींचता है। बहुत से मुस्लिम लोग अविश्वास के इस अर्थ से भ्रमित हैं कि कोई भी जो मुस्लिम नहीं है वो काफिर या अविश्वासी या नास्तिक है। हिंदू कहते हैं कि जो भगवान के किसी भी रूप को नहीं मानता वह नास्तिक है। एक बिंदु पर हिंदू दर्शन कहता है कि कोई भी अविश्वास करने वाला या नास्तिक बहस करने वाला नहीं हो सकता है। जैसा कि हर कोई खुशी चाहता है, हर कोई खुशी की उपस्थिति को स्वीकार करता है और इसलिए भगवान को स्वीकार करता है क्योंकि भगवान और खुशी ये दोनो पर्यायवाची हैं। असीम अनंत चिरकाली खुशी का दूसरा नाम भगवान है ।

www.shreeradha.com
shreeradha.eschool@gmail.com
WhatsApp +91 9423209132

अनंत को कभी भी सीमित नहीं किया जा सकता है, लेकिन इस्लाम ईश्वर पर कुछ सीमाएं लगाता है जैसे 'ईश्वर किसी भी दृश्य रूप में नहीं हो सकता'। वास्तव में ईश्वर सर्व शक्तिमान है और जब शक्तिहीन आत्मा रूप धारण कर सकती है, तो यह कल्पना करना विडंबना होगी कि ईश्वर किसी भी रूप को धारण नहीं कर सकता। यह स्वीकार करने योग्य है कि भगवान इस्लाम में वर्णित निराकार रूप का है या ऊसका रूप नहीं है, लेकिन यह केवल अनंत विकल्पों में से एक है। इसका मतलब यह नहीं है कि भगवान किसी अन्य रूप से

मौजूद नहीं हो सकते।

इस्लाम लगभग अविश्वासियों की हत्याओं की सलाह देता है और संपूर्ण आतंकवाद इसका परिणाम है। हिंदू कहते हैं कि अविश्वासियों को नजरअंदाज किया जाना चाहिए। कारण मन दोनों ही तरीकों से जुड़ा हुआ है। प्यार और नफरत, दोस्ती और दुश्मनी। ईश्वर की तलाश के लिए वैराग्य चाहिए। इस प्रकार आप दूसरों को घृणा से मारकर भगवान को प्रसन्न करने में कभी सफल नहीं होंगे। इसलिए आतंकवाद के लिए हिंदु कोई धार्मिक समर्थन नहीं देता।

बेशक आपको बचाव करने का अधिकार है। ऐसे मामलों में हत्याएं और युद्ध में और सजा के रूप में हत्या की अनुमति दी जाती है, लेकिन ऐसे मामलों में जब झूठे बहाने पर हत्या का आदेश दिया जाता है, तो गंभीर दैवीय सजा होगी क्योंकि हत्या को महान पापों में से एक माना जाता है।
लेकिन जब कर्ण ने कृष्ण से कहा, 'मुझे मारना अन्याय है क्योंकि मेरे हाथ में हथियार नहीं है।' तो कृष्ण ने उत्तर दिया, 'अन्याय के अपराधी को अन्यायपूर्ण तरीके से मारना न्याय है।'

www.shreeradha.com
shreeradha.eschool@gmail.com
WhatsApp +91 9423209132